CHILDREN'S JAIN MAGAZINE
(English, Gujarati & Hindi)
EVERY FORTNIGHT
25TH MAY 2015
Rs: 5.00/-

SAMAYIK OPEN BOOK QUIZ

LOOK n LEARN

Year - 9, Vol: 5, Issue: 09, Date: 25.05.2015
Editor: Ashokbhai Sheth 20, Vanik Niwas, 1st floor, Cama Lane, Ghatkopar (West), Mumbai - 400 086.

Use your voice for Kindness

Your hands for Charity

Your mind for Truth

Your heart for Care!!!

Gurubhakt Mehta Parivar

Cheque or Draft:
Arham Yuva Group

Parasdham
Vallabh Baug Lane, Tilak Road,
Ghatkopar (E), Mumbai - 77

Subscription:
10 Years Rs. 500
Lifetime Rs. 1000

कथा
पुणीया श्रावक

एक बार श्रेणीक राजा नगर के बाहर उद्यान में बिराजित भगवान श्री महावीर के दर्शन करने जाते हैं। परमात्मा श्री महावीर को वंदन कर विनय पूर्वक उनके समक्ष अपना स्थान ग्रहण करते हैं। श्रेणीक राजा भगवान महावीर को अपने अंदर उठ रहे प्रश्न का उत्तर पूछते हैं।

राजा श्रेणीकः- भंते! मृत्यु के बाद मेरी कौनसी गति होगी?

परमात्मा श्री महावीरः- पूर्व में पंचेन्द्रिय जीव की हिंसा के पाप के कारण तुम्हारा नरक गति में आयुष्य का बंध हुआ है।

(केवल ज्ञान प्राप्त होने के बाद परमात्मा को सबकुछ ज्ञात होता है।)

राजा श्रेणीकः- भंते! मुजे अपने पापो से मुक्त होना है। क्या यह संभव है?

परमात्मा महावीरः- नगर में पुणीया श्रावक रहता है, जिसकी सामायिक की साधना सर्वश्रेष्ठ है। सामायिक करने से अनंत कर्मो का क्षय होता है। यदि तुम पुणीया श्रावक की एक उत्कृष्ट सामायिक का फल ला सको तो ले आओ।

पुणीया श्रावक धर्म के प्रति अत्यंत श्रद्धावान था और १२ व्रत का धारक था। पति-पत्नी सुख और संतोष से रहते थे। रुई कांतकर अपना गुजारा चलाता था। साधर्मिक भक्ति के लिये (किसी साधर्मिक को खाना खिलाना) दोनों एक एक दिन बारी बारी से उपवास करते थे।

श्रेणीक राजा भगवान का कथन सुन पुणीया श्रावक के पास उसके घर आते है।

श्रेणीक राजाः- क्या तुम मुजे तुम्हारी एक सामायिक का फल दे सकते हो? बदले में मैं तुम्हें राजगृह नगरी और सोना महोरे दूंगा।

पुणीया श्रावकः- क्षमा करे राजन! मैं सामायिक कुछ पाने के लिये नहीं करता मगर मेरे आत्मा के कल्याण के लिये करता हुं। धर्म की क्रिया का फल बेचा नहीं जा सकता, किसीको दिया नहीं जा सकता। कर्मो का क्षय करने के लिए खुद साधना करनी पड़ती हैं।

श्रेणीक राजा सत्य की समज पा कर भगवान के पास आते हैं और उन्हें सारी हकीकत बताते हैं।

भगवान महावीरः- वत्स! सामायिक की तुलना धन, नगर से नहीं की जा सकती हैं। सामायिक के फल की लेन देन नहीं हो सकती हैं। अपने कर्मो का फल स्वयं ही भुगतना पड़ता हैं। कर्मो का क्षय स्वयं ही करना पड़ता हैं।

❖सिख❖

निकाचित कर्मो(किये कर्मो) का फल भुगतना ही पड़ता हैं। अन्य कोई मदद नहीं कर सकता।

साल भर रोज सुवर्ण दान दे फिर भी सामायिक का मुल्य नहीं होगा।

Refer to Puniya Shravak Story and fill in the blanks

- मैंने पुणीया श्रावक के सामायिक की प्रशंसा की _____
- मैं परमात्मा को वंदन करने उद्यान में गया था _____
- सामायिक करने से कितने कर्मो का क्षय होता है _____
- यह कथा में कोनसी गति की बात आती हैं _____
- अंतमें श्रेणीक राजा क्या समज गए _____
- श्रेणीक राजा पुणीया श्रावक को क्या देने के लिए तैयार थे _____
- क्या करने से नरक गति के आयुष्य का बंध होता हैं _____
- पुणीया श्रावक कितने व्रत के धारक थे _____
- श्रेणीक राजा की नगरी का नाम क्या था _____
- पुणीया श्रावक की कौनसी साधना श्रेष्ठ थी _____

When divine love for Parmatma,
enters your heart,
peace naturally reflects, within the Soul!

- By Little Wonders

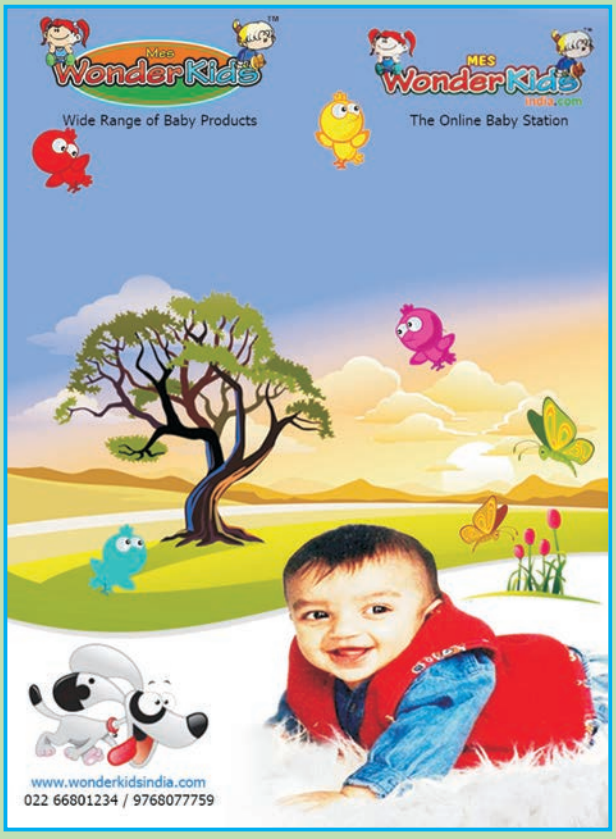

viraj LADIES WEAR
Bhaveshwar Market, M. G. Road, Ghatkopar (E), Mumbai.
Mob : 9322593980 / 9769349501

mint
The Taste of Clothing
Exclusive Ladies Salwar Kameez & Western Outfit

viraj CHILDREN'S WEAR

U&IT
Technology. Simplified

Bhumil Doshi

Solutions
Experience Technology

Solutions : 9/10 Nilkanth Market, M.G.Road, Ghatkopar (E), Mumbai - 400 077.
Tel.: 4221 6666 • Mob. : 93222 13778 • E-mail : info@solutionsworld.in

Alert Bell

Pakhi
01st June

Aatham
09th June

RESPECT - to get it, you must give it...

Write correct pad from Samayik Sootra for the pictures given below

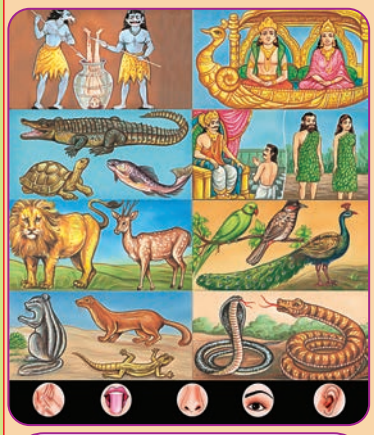

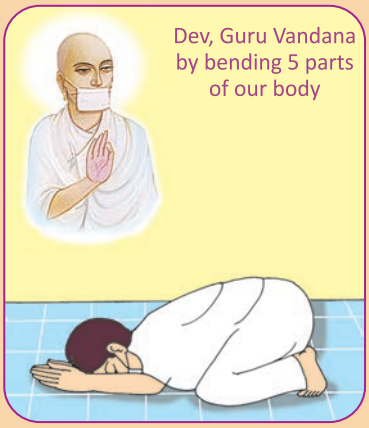

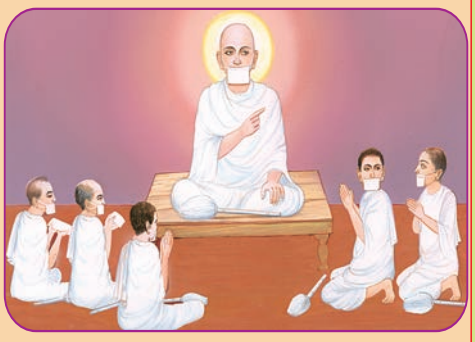

Bhamaliea

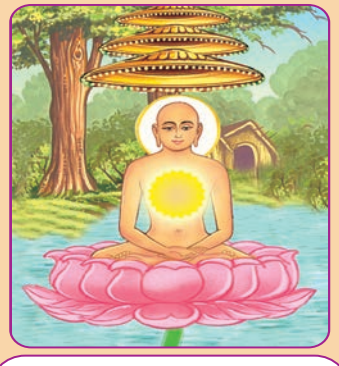

Solve the riddles by writing the names of lessons of Samayik Sootra

I help you to admire Dev, Guru and Dharma
One can become fearless by reciting me
Bolo bolo
who am I?

Washerman washes clothes with soap and water... You can clean and brighten your soul using me
Bolo bolo
who am I?

I help you to bow down by bending 5 parts of your body and worship from the bottom of your heart
Bolo bolo
who am I?

24 Tirthankar's stuti can be done by reciting me...
I show you the path to salvation
Bolo bolo
who am I?

Namaskaar Sootra
Iriyavahiyam Sootra
Atichar Nivrutti Sootra
Namothunam Sootra
Guru Vandan Sootra
Tassa Uttaree Sootra
Karemi Bhante Sootra
Logass Sootra

Hints to solve

When your Samayik gets completed you need my help...
I am the last sootra of samayik
Bolo bolo
who am I?

I teach you the 'Art of Walking'...
I am also called as Alochna Sootra
Bolo bolo
who am I?

Your Samayik sadhna starts by reciting me...
I do not allow sinful activities
Bolo bolo
who am I?

I am known as 'Art of Praying'...
I help you to destroy all your sins
Bolo bolo
who am I?

Namaskaar Sootra

"Seva is the Master Key to Success"

Create your own short story related to picture!

Colour the Picture and write 3 reasons
Why one should not eat after sunset??

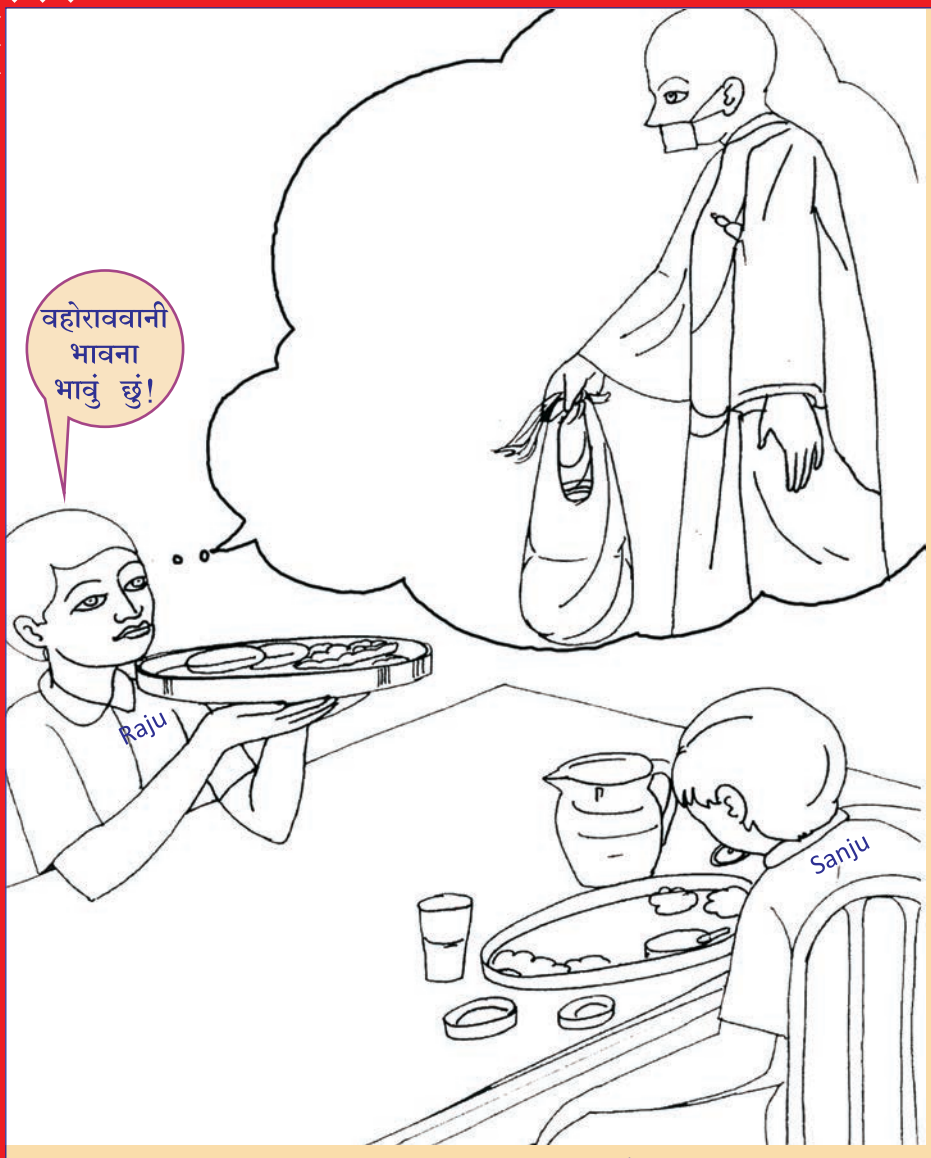

Colour the picture and write the difference between Raju and Sanju

RAJU	SANJU
✧	✧
✧	✧
✧	✧
✧	✧
✧	✧

Colour the Picture

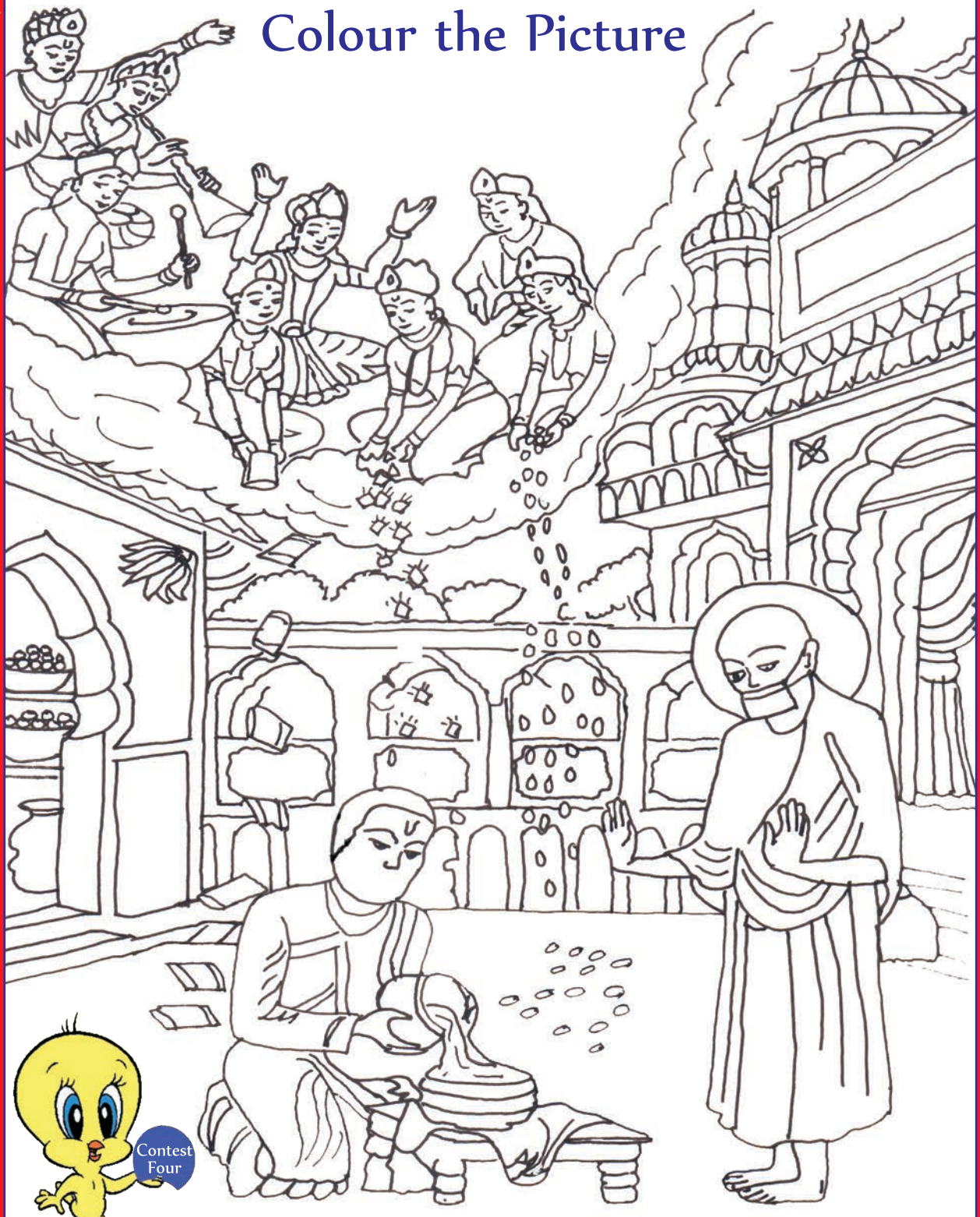

Write the story of "Sangam Goval"

Story Line : A poor boy... Wants to eat Kheer... Demands Kheer from his Mother... Request Saint to come home... Offers Kheer to Saint...

Complete the story and give appropriate title!!!

Send us your Contest Pages (Page 9 to Page 13) to Parasdham
Vallabh Baug Lane, Tilak Road, Ghatkopar (East), Mumbai - 400 007

अरिहंत पदनी आराधना, करो कर्मनी विराधना...

I am the founder of 4 Tirth
I live in Mahavideh Kshetra
I have destroyed 4 Ghati Karmas
I have 12 Virtues
I will go to Moksh in my same bhav
I am Arihant

दिमाग पे लगाओ जोर, और बढ़ाओ अपना स्कोर...

A letter word game
Answer starts with the letter 'A'

- मारा १२ गुणो छे बोलो हुं कोण?
- सर्व दानों मां श्रेष्ठ दान कयुं छे?
- एक तीर्थंकर परमात्मा नु नाम लखो?
- जीवो ने सामा आवतां हण्यां होय ते कई विराघना छे?
- कया बाल मुनि ए पाणी मां नाव तरावी हती?
- Waterpark मां जवा नी मजा थी अमने सजा थाय छे?
- कया तीर्थंकर नो अर्थ congratulation थाय छे?
- ३ उपवास करवाथी कयुं तप कर्युं कहेवाय?
- साधु-साध्वी ने कई वस्तु वहोरावाय?
- भोजन देवाथी कयुं पुण्य बंधाय छे?

अजितनाथ स्वामी ★ अपकाय ★ अभिनंदन स्वामी ★ अन्न ★ अचेत ★ अभिहया ★ अरिहंत ★ अठ्ठम ★ अयमुत्ता मुनी ★ अभय

Answer starts with the letter

I am free
from birth and death cycle
I have no body, no karmas
I reside in Siddh Kshetra
I am Infinite
I am Siddha

सिद्ध पदनी प्राप्ति, कर्मोथी थाय मुक्ति...

सिद्ध पदनी भावना, बने कालनी संभावना...

Match the words with Questions...

☺ नंदीवर्धन अने महावीर मारा पुत्र हतां	सिंह
☺ सिद्ध भगवान लोकनां अग्रभागे क्यां बिराजमान छे	सिमंधर स्वामी
☺ में घाती अने अघाती कर्मो क्षय क्यां छे	सिद्धार्थ राजा
☺ कया अरिहंत प्रभु महाविदेह क्षेत्रमां बिराजे छे	सिद्धाणं
☺ सिद्ध भगवंतो कया क्षेत्र मां रहे छे	सिद्धा सिद्धिं मम दिसंतु
☺ प्रभु महावीर स्वामी नुं लांछन शुं हतुं	सिद्धक्षेत्र
☺ देवलोकना देवो कया पद ने झंखे छे	सीसुं
☺ नमस्कार सूत्र नुं बीजुं पद कयुं छे	सिद्धशीला
☺ परमात्मा पासे रोज शुं भावना भाववी जोईये	सिद्ध भगवान
☺ त्रिपृष्ठ वासुदेव(प्रभु महावीर नो जीव) ए शैयापालकना कान मां शुं रेडाव्युं हतुं	सिद्ध

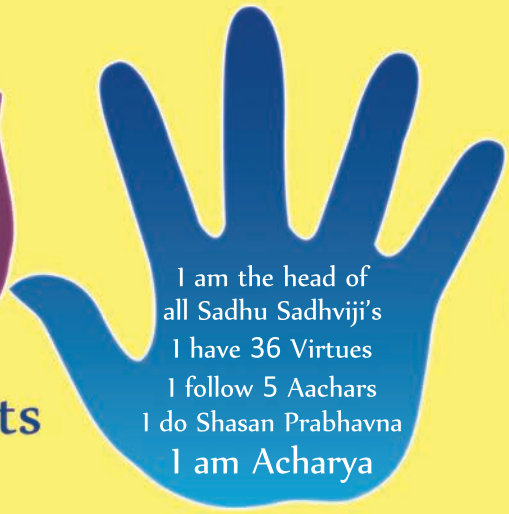

Answer starts with aa

♦ आयाहिणं ♦ आत्मा ♦ आगम ♦ आठम ♦ आसन
♦ आज्ञा ♦ आदिनाथ ♦ आहार ♦ आठ ♦ आचारांग सूत्र

- आपणा शास्त्रो ३२ छे तेने शुं कहेवाय? _____
- सिद्ध भगवान ना गुण केटला छे? _____
- कई तीथी ना दिवसे रात्री भोजन नो त्याग करवो जोइए? _____
- एक आगम नुं नाम? _____
- ऋषभदेव भगवान नुं बिजुं नाम शुं हतुं? _____
- Body temporary छे तो permanent शुं छे? _____
- कोई पण कार्य करतां पहेलां शिष्य ए गुरु नी शुं लेवी जोइए? _____
- मनुष्य करे पण सिद्ध भगवान न करे ते शुं? _____
- गुरुवंदन सूत्र मां आवतो एक शब्द? _____
- सामायिक नुं एक उपकरण? _____

Every Answer starts with the letter U

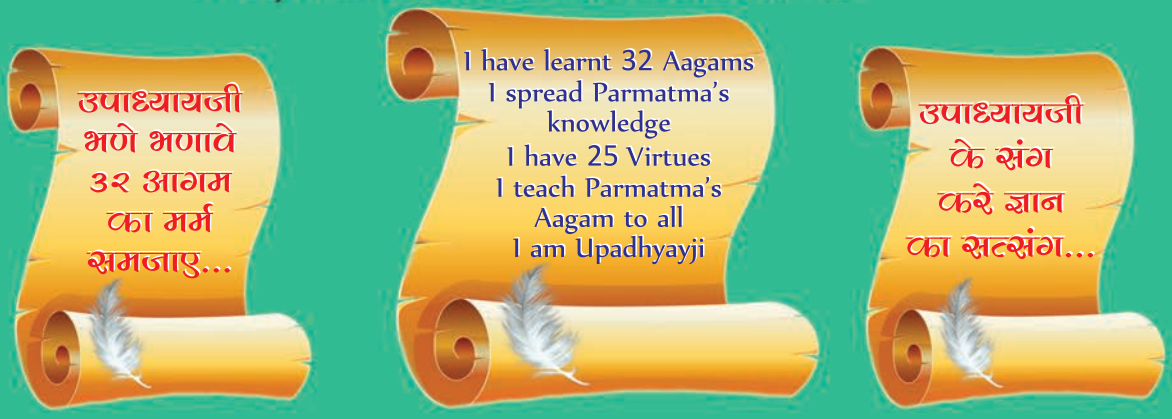

Correct the jumbled words and write the appropriate answer

* लोगस्स सुत्रमां आवतो एक शब्द (गज्जोउयरे) _____
* साधु-साध्वीजी ने मारा वगर न चाले (रणपकउ) _____
* ३२ आगम नुं ज्ञान हुं तमने आपी शकुं (ययापाउध) _____
* श्रावको माटेनुं आगम ऐटले (शांगकपासउद त्रसू) _____
* संगम देवे प्रभु महावीर ने शुं आप्या हतां (पर्गसउ) _____
* सवंत्सरी ना दिवसे साधु-साध्वीजीने शुं होय छे (सवाउप) _____
* वंदना नो 1 प्रकार जे प्रतिक्रमण मां कराय छे (नादवं ष्टउत्कृ) _____
* भूख करतां ओछुं खावुं, एटले कया तपनो लाभ मळे (दणोरीउ) _____
* तीर्थंकर ने केवळज्ञान थाय पछी उपदेश आपे तेने शुं कहेवाय (नाशदे) _____
* उपाध्यायजी ने नमस्कार होजो एटले नमो _____ (णंयाज्झावउ) _____

I don't have a permanent address
I have to destroy 8 Karmas
I travel barefoot
I follow 5 Mahavrats
I am Sadhu-Sadhviji

संयम मारो श्वास...
संयम प्रभु नो अहेसास...

साधु-साधवीजी है
शासन के सरताज,
वैयावच्च करके
कर्म खपाए आज...

Every answer starts with letter sa

Choose the appropriate answer

- हुं पंचमहाव्रत धारी छुं अने मारा गुण २७ छे (साधक/साध्वीजी)
- परमात्मा ए पुणीया श्रावक ना शेना वखाण कर्या (सामायिक/संवर)
- तपस्वीने शुं पुछाय छे (सालमुबारक/शातामा)
- सन्मान आपुं छुं एटले (सक्कारेमि/सम्माणेमि)
- जे बन्या वगर आचार्य के उपाध्याय न बनी शकाय (साधु/साधक)
- नमोत्थुणं सुत्र सामायिक नुं केटलामुं सुत्र छे (सत्तर/सात)
- _____ वर गंभीरा सिद्धा सिद्धिं मम दिसंतु (सामायिक/सागर)
- साधुजी ने मारा नमस्कार हो एटले नमो लोए सव्व _____ (सहुणं/साहुणं)
- ४८ मिनट नी साधना जे मोक्ष पद अपावे (संथारो/सामायिक)
- ४ तीर्थ मांथी एक तीर्थ (सेवक/साधु)

Brain Teaser

Write the meaning of following words

Sootra-4
झाणेणं

Sootra-3
वत्तिया

Sootra-1
नमो आयरियाणं

Sootra-8
न सोहियं

Sootra-7
जीवदयाणं

Sootra-6
जाव नियमं

Sootra-2
मत्थएण वंदामि

Sootra-5
रिद्धनेमि

Registered with Registrar of Newspapers under RNI No. MAH MUL/2011/40056
Vol. : 5, Issue : 09, Date : 25.05.2015, Postal Registration No. MNE/171/2015-17.
Date of Posting / Date of Publication 10th & 25th of every month.
License to post without prepayment, WPP license No. MR/TECH/WPP-273/NE/2015.
Look N Learn - Posted at Mumbai patrika channel sorting office Mumbai -1

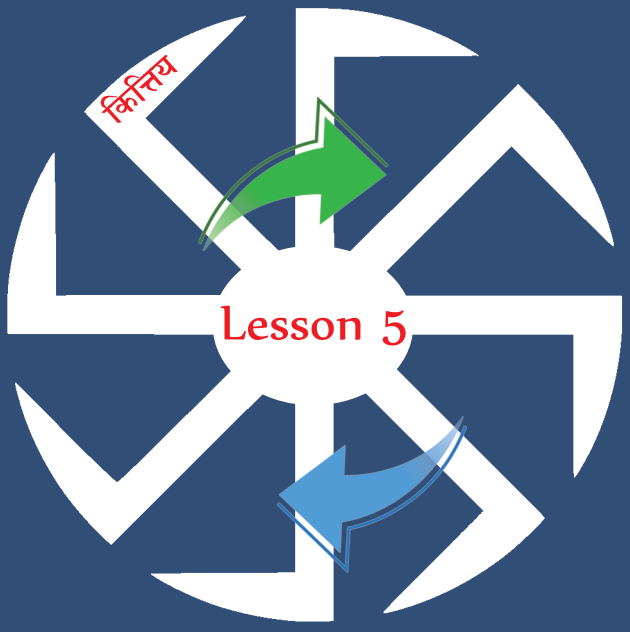

Complete the Swastik with correct Pad from Samayik Sootra

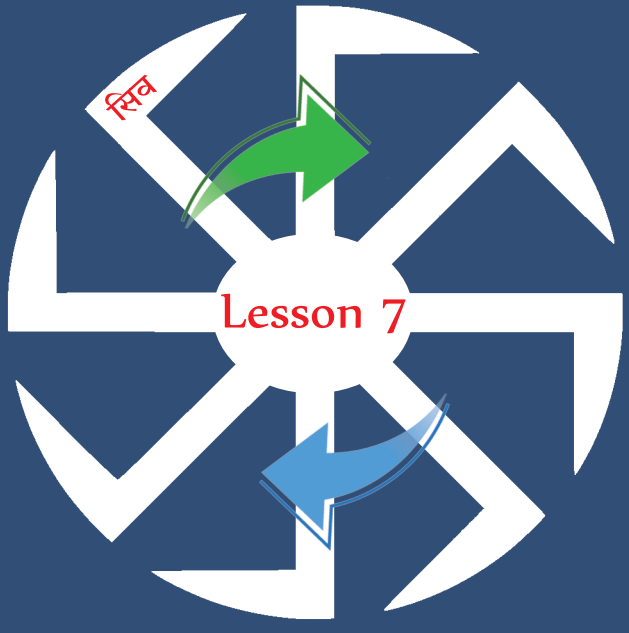

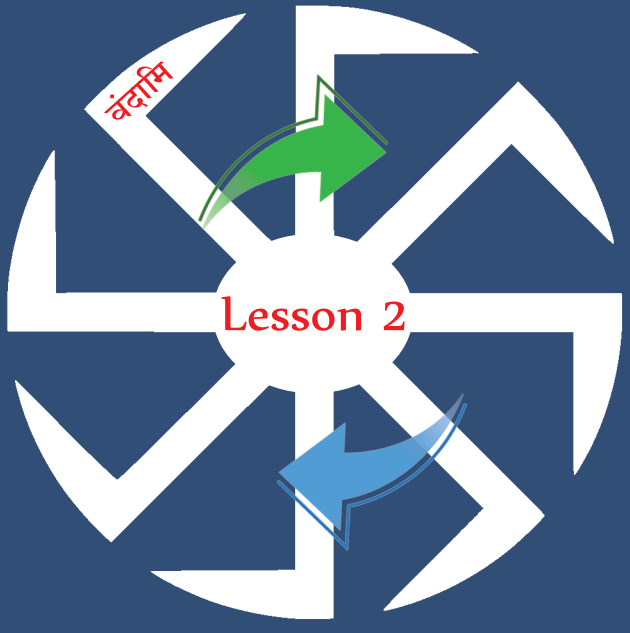

Publisher, Printer and Owner Ashok R. Sheth, Printed at : Accurate Graphics Pvt. Ltd.,
15-A, Samrat Mill Compound, L.B.S Marg, Vikhroli (W), Mumbai - 400 079.
Publish at Mumbai : 20, Vanik Nivas, Kama Lane, Ghatkopar (W), Mumbai - 86. Editor : Ashok R. Sheth